D. in Gita

Roll No. ..... Total Pages : 03

DDG/M-19 18558

FUNDAMENTAL PHILOSOPHICAL CONCEPTS OF GITA

Paper I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

Note : Attempt *Five* questions in all, selecting *one* question from each Unit. Objective Type Question is compulsory. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Unit I (इकाई I)

1. Elaborate Gita's Jnanyoga according to Shankaracharya. **16**
शंकराचार्य के अनुसार गीता के ज्ञान-योग का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

2. Critically evaluate Bhakti Yoga of Gita. **16**
गीता के भक्ति-योग का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

Unit II (इकाई II)

3. Describe Gita's concept of Atma. 16
गीता की आत्मा की अवधारणा का वर्णन कीजिए ।

4. Bring out Gita's Philosophy of Nishkama Karma and Sakama Karma. 16
गीता के अनुसार निष्काम-कर्म और सकाम-कर्म के दर्शन को स्पष्ट कीजिए ।

Unit III (इकाई III)

5. Write a full note on the concept of Avataras according to Gita. 16
गीता के अनुसार अवतार की अवधारणा पर एक पूर्ण टिप्पणी लिखिए ।

6. Discuss Triguna Sattva, Rajat and Tamas according to Gita. 16
गीता के अनुसार तीन गुण सत्व, रजत एवं तमस की विवेचना कीजिए ।

Unit IV (इकाई IV)

7. Explain philosophy of Karma-Jnana-Bhakti of Gita. 16
गीता के अनुसार कर्म-ज्ञान-भक्ति के दर्शन की व्याख्या कीजिए ।

8. Describe Gita's concept of Vishwarupadarshana. 16
गीता की विश्वरूप-दर्शन की अवधारणा का वर्णन कीजिए ।

9. Write short notes on the following concepts : 4×4=16
(i) Define Karmasannyas.
(ii) Gita's Philosophy of Moksha.
(iii) Gita's concept of Samatva Yoga.
(iv) Philosophy of Sthitapragya.
निम्नलिखित अवधारणाओं पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
(i) कर्म-संन्यास को परिभाषित कीजिए ।
(ii) गीता की मोक्ष की अवधारणा
(iii) गीता की समत्व योग की अवधारणा
(iv) स्थितप्रज्ञ का दर्शन ।